अटल भूजल योजना

भूजल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ग्राम पंचायत में स्थापित भूजल स्तर मापी यंत्र

आज पूरा मानव समाज भूजल के गिरते स्तर की वजह से गंभीर संकट की चपेट में है । आज हम अपने–अपने भौतिक सुख–साधनों की प्राप्ति के लिए न केवल भूजल का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं बल्कि भूजल को दूषित भी कर रहे हैं। जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं तथा पीने के पानी का गम्भीर मुद्दा बना हुआ है। यदि समय रहते भूजल संरक्षण पर कार्य नहीं किया गया तो मानव समाज के लिए जीवन जीना दुर्लभ हो जायेगा।

योजना के अन्तर्गत चयनित जनपदों की ग्राम पंचायतों में गिरते भूजल स्तर को नापने एवं ग्रामवासियों को गिरते भूजल स्तर से अवगत कराने हेतु भूगर्भ जल विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में अनेक प्रकार के भूजलमापी यंत्रों को स्थापित किया गया हैं, जिससे ग्रामवासी समय–समय पर देखकर अपने ग्राम पंचायत में उपलब्ध भूजल स्तर को जान सकेंगे तथा जल की उपलब्धता के आधार पर भूजल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक उपाय जैसे वर्षा जल संग्रहण, कृषि क्षेत्र में सतही जल का अधिक उपयोग कर आने वाले भविष्य एवं पीढ़ी के लिए भूजल को बचायेंगें।

अटल भूजल योजना चयनित क्षेत्र

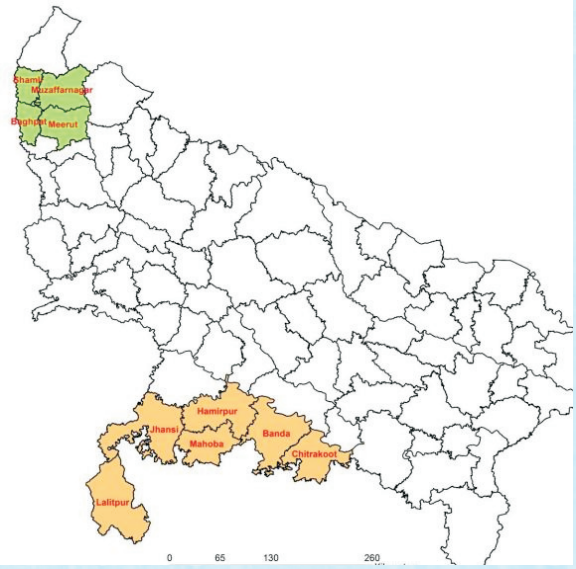

डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर (DWLR) :

योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायत भवन/प्राथमिक विद्यालय/ जूनियर विद्यालय में से किसी एक स्थान पर भूगर्भ जल विभाग द्वारा भूजल स्तर नापने हेतु **डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर (DWLR)** लगाया गया है। इस यंत्र के द्वारा ग्राम पंचायत का किसान एवं मुख्यालय भी ग्राम पंचायत के भूजल स्तर में होने वाले उतार चढ़ाव के बारे में निरंतर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे ग्राम पंचायत स्तर पर भूजल के आधार पर कृषि एवं अन्य कार्यों की कार्ययोजना बना सकेंगे तथा मुख्यालय भी भूजल स्तर गिरने पर ग्रामवासियों को सुझाव एवं सहायता ससमय उपलब्ध करा सकेंगे।

जल प्रवाह मापी यंत्र (Water Flow Meter) :

योजना के अर्न्तगत चयनित ग्राम पंचायतों में किसी एक किसान की बोरिंग के बाहरी पाइप पर यह यंत्र लगाया जाता है। इस यंत्र के द्वारा बोरिंग से कितना पानी निकल रहा हैं, उसके बारे में जानकारी प्राप्त होगी। डी0डब्लू0एल0आर0 से उपलब्ध जल की मात्रा एवं वाटर फ्लोमीटर से उपयोग जल की मात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे भविष्य में जल की उपलब्धता में अनिश्चित्ता होने पर कार्ययोजना बनाकर समस्या का समाधान किया जा सकेगा।

वर्षा मापने का यंत्र (Rain Gauge) :

किसी स्थान पर होने वाली वर्षा को मापने के लिए यह एक साधारण यंत्र है। इस यंत्र में एक गोल बेलनाकार नली के मुंह पर कीप (जिसका मुंह बेलनाकार नली के मुंह से 10 गुना बड़ा होता है) के माध्यम से नली में, वर्षा होने पर जितना जल एकत्र होता है उसे अंकित जार में डालकर वर्षा जल की मात्रा मिलीमीटर में ज्ञात की जाती है। इस यंत्र को खुले स्थान पर रखते हैं, ताकि वर्षा के पानी को कीप में गिरने में किसी प्रकार की रूकावट न हो।

पीजोमीटर :

भूजल स्तर की जानकारी प्राप्त करने का यह भी एक उपकरण है जिसमें बोरिंग कर उसमें डाले गये एक पाईप की असंबली से भूजल स्तर मापा जा सकता है। पीजोमीटर पर डी0डब्लू0एल0आर0 स्थापित कर भूजल स्तर मापन किया जाता है, इसके अतिरिक्त पीजोमीटर में साउण्डर के माध्यम से भी भूजल स्तर ज्ञात किया जा सकता है।

फील्ड टेस्टिंग किट :

यह उपकरण ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल की गुणवत्ता जाँचने में प्रयोग किया जाता है। इस उपकरण से ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल पीने योग्य है या नही, का पता किया जा सकता है।

डाटा डिस्क्लोजर :

अटल भूजल योजनान्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आयरन बोर्ड स्थापित किया गया है जिसमें ग्राम पंचायत सम्बन्धित सूचनायें जैसे – आबादी, वाटरशेड का नाम, पशुधन तथा ग्राम पंचायत में जल उपलब्धता का विवरण, जल संतुलन का विवरण तथा जल बजट रिपोर्ट, भूजल स्तर तथा भूजल गुणवत्ता आदि की वर्तमान स्थिति के विवरण का अंकन होगा, जिसे देखकर ग्राम पंचायत का हर व्यक्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल की स्थिति के बारे में जान सके।

प्रस्तुति :

भूगर्भ जल विभाग, उ.प्र.

(नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, उ.प्र.)